योग्यता आधारित शिक्षा

(Competency Based Education)

सोनिया भाटिया

वाक् पीठ

आज के विषय-बिंदु

- योग्यता आधारित शिक्षा (CBE) क्या है ?
- योग्यता आधारित शिक्षा (CBE) की विशेषताएँ
- योग्यता आधारित शिक्षण के लाभ
- पारंपरिक शिक्षण तथा योग्यता आधारित शिक्षण में अंतर
- योग्यता आधारित शिक्षण प्रक्रिया
- योग्यता आधारित शिक्षण में मूल्यांकन
- आदर्श पाठ योजनाएँ

योग्यता आधारित शिक्षा क्या है ?

योग्यता-आधारित शिक्षा (CBE) छात्रों को पर्यावरण की परवाह किए बिना अपनी गति से कौशल या योग्यता में महारत हासिल करने की क्षमता के आधार पर आगे बढ़ने का अवसर देता है। योग्यता वह क्षमता, कौशल, ज्ञान और दृष्टिकोण है जो किसी व्यक्ति को वास्तविक जीवन में कार्य करने में मदद करता है।

Circular No.-
Acad-67/2020

ज्ञान
(Learning)

कौशल
(Skill)

प्रदर्शन
(Perform)

कार्य
(Task)

आनंद
(Joy)

"**योग्यता-आधारित शिक्षा (CBE)**, सीखने और निर्देशन का एक तरीका है, जो कि विभिन्न सामग्रियों और कौशलों के साथ समझ और **योग्यता** सुनिश्चित करने के लिए लक्षित होता है, न कि समय के अनुसार निर्देशित उपलब्धि से।"

योग्यता आधारित शिक्षा की विशेषताएँ

- विशेष उद्देश्य
- विषय-वस्तु
- शिक्षण विधियाँ
- मूल्यांकन प्रक्रिया

योग्यता आधारित शिक्षा (CBE) के विशेष उद्देश्य

प्रायोगिक

दैनिक जीवन में काम आने वाली प्रायोगिक तथा व्यवसायिक योग्यताओं का विकास

व्यावहारिक

व्यावहारिक जीवन की योग्यताओं का स्वभाविक विकास

स्वानुभव से जनित ज्ञान

पुस्तकीय ज्ञान से परे स्वानुभव के माध्यम से ज्ञान तथा योग्यता का विकास

योग्यता आधारित शिक्षा (CBE) में विषय-वस्तु की भूमिका

गौणता

योग्यता आधारित शिक्षण में विषय-वस्तु की भूमिका गौण होती है |

योग्यता आधारित

विषय-वस्तु का चयन योग्यता विकास की दृष्टि से किया जाता है |

विचार-विमर्श

प्रभावशाली बनाने के लिए समय-समय पर विषय-वस्तु पर विचार-विमर्श किया जाता है |

योग्यता आधारित शिक्षण विधियों की विशेषताएँ

छात्र केंद्रित

समावेशी

अंतःविषय
(शैक्षणिक तथा गैर-शैक्षणिक)

सहयोगात्मक

संवादात्मक शिक्षण

सामूहिक परियोजना-कार्य

योग्यता आधारित शिक्षण विधियों की विशेषताएँ

युग्म तथा सामूहिक शिक्षण

प्राद्यौगिकी का अधिक प्रयोग

वैचारिक क्षमता पर बल

अनुभव जनित ज्ञान पर बल

समस्या समाधान तथा केस स्टडी

प्रस्तुतीकरण

योग्यता आधारित शिक्षा में मूल्यांकन

प्रदर्शन आधारित

चिन्तन क्षमता, संवेदी कौशल (गतिविधि संबंधित), विश्लेषण क्षमता का आकलन

उद्देश्य आधारित

निर्धारित उद्देश्यों की प्राप्ति को सुनिश्चित करने के लिए किया गया आकलन

मूल्यांकन परिणामों की सुनिश्चितता

निर्धारित मानकों (Rubrics) की सुनिश्चितता

विद्यार्थियों द्वारा योग्यता का प्रदर्शन

योग्यता आधारित शिक्षा के लाभ.

योग्यता आधारित शिक्षा के लाभ

छात्र केन्द्रित शिक्षण पद्धति

छात्रों के लिए लचीली

योग्यता और दक्षता पर बल

छात्रों के लिए सहयोगी

व्यक्तिगत अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था

पारदर्शी ग्रेडिंग प्रणाली

पारंपरिक शिक्षा तथा योग्यता आधारित शिक्षा में अंतर

पारंपरिक शिक्षण तथा योग्यता आधारित शिक्षण में अंतर

1

कौशल केन्द्रित

संपर्क तथा समय अंतराल केन्द्रित

पारंपरिक शिक्षण तथा योग्यता आधारित शिक्षण में अंतर

2

प्रशिक्षण आधारित

निर्देशों पर आधारित

पारंपरिक शिक्षण तथा योग्यता आधारित शिक्षण में अंतर

3

कहीं भी, कभी भी (ऑनलाइन)

कक्षा-कक्ष की बाध्यता

पारंपरिक शिक्षण तथा योग्यता आधारित शिक्षण में अंतर

4

मितव्ययी

अपव्ययी

पारंपरिक शिक्षण तथा योग्यता आधारित शिक्षण में अंतर

5

सुविधानुसार समापन संभव

सत्रांत में ही समापन संभव

शिक्षण प्रक्रिया

योग्यता आधारित शिक्षण प्रक्रिया

सीखने के प्रतिफलों का स्पष्टतापूर्वक निर्धारण

शिक्षण-अधिगम की समयावधि में लचीलापन

एकाधिक शिक्षण क्रिया विधि

रोचक तथा विविध विषय-वस्तु

मानक संदर्भित परीक्षण

सीखने के प्रतिफलों का प्रदर्शन

मूल्यांकन

मूल्यांकन विधि

निर्धारित मानकों (Rubrics) की सुनिश्चितता

विद्यार्थियों द्वारा योग्यता का प्रदर्शन

आदर्श पाठ-योजना -1

सी. बी. ई. का अनुप्रयोग- कक्षा नवीं

वाचन कौशल का विकास

(छात्रों की वाचन क्षमता को कौशल में बदलने के लिए)

विषय- स्टीफन मिराजी की कहानियाँ

21वीं सदी के कौशल (Skills)-

गहन सोच

रचनात्मकता

सहयोग

तकनीकी ज्ञान

भाषाई ज्ञान

विवेचनात्मक

बहुमुखी प्रतिभा (MIs)

मौखिक

भाषाई

स्थानिक

वैयक्तिक

अंतर्वैयक्तिक

नियत कार्य-

- वाचन श्रवण रचनात्मक तथा तकनीकी कौशल – कहानी का हिन्दी अनुवाद
- कहानी में सामूहिक रूप(4-4 के दल में) से कला का समावेश (कार्टून स्ट्रिप्स, कठपुतली, दृश्य कला, अभिनय, कविता रचना इत्यादि), पर्यायवाची शब्दों का कहानी में प्रयोग,कहानी की सीख,3-4 मिनट की प्रस्तुति ।
- प्रत्येक छात्र अपनी इच्छानुसार गतिविधि का चयन कर, समय सीमा निर्धारित कर कहानी की 3-4 मिनट की प्रस्तुति कक्षा में करेगा।

शिक्षण उद्देश्य-

यह ऐसे कथन हैं जो ज्ञान तथा कौशल का वर्णन करते हैं, जिन्हें विशेष असाइंमेंट, विभिन्न गतिविधियों, कक्षा कार्य द्वारा कक्षा के अंत तक प्राप्त करना चाहिए तथा छात्रों की यह समझने में भी मदद करनी चाहिए कि वह ज्ञान और कौशल उनके लिए उपयोगी क्यों है ?

छात्र प्रभावी तथा कुशल संवाद करने तथा नवीन शब्दावली का प्रयोग करने में सक्षम होंगे |

शिक्षण संप्राप्तियाँ (Learning Outcome)-

प्रत्येक छात्र-

कम-से-कम 3-4 नवीन शब्द जान पाएगा।

कहानी में कम-से-कम 3-4 पर्यायवाची शब्दों का प्रयोग कर पाएगा तथा अन्य समूह की कहानियों में से 2-3 पर्यायवाची शब्दों की पहचान कर पाएगा।

कहानी में सामूहिक रूप से चयनित कला का समावेश कर पाएगा।

कथा-वाचन के निर्देशित मुख्य बिन्दुओं को ध्यान में रखते हुए (शुद्धोच्चारण,धारा प्रवाहता, ध्वनि आरोह-अवरोह) कम-से-कम 4-5 वाक्य बोल पाएगा।

चार वाचन कौशल –

धारा प्रवाहता

शब्दावली

व्याकरण

उच्चारण

समय सीमा –

- छात्रों ने छोटे समूहों में कार्य किया और अपने मूल्यांकन पैटर्न को चुना।
- उन्होंने समय सीमा भी तय की जिसमें गतिविधि के लिए आवश्यक कुल दिनों की संख्या शामिल थी। इसमें प्रत्येक कार्य के लिए के लिए आवश्यक दिनों की संख्या, प्रस्तुति बनाने के लिए आवश्यक दिन (अभिनय / कविता / कहानी / कला चित्रण / कार्टून स्ट्रिप्स) और उनके लिए समूह / जोड़ी के रूप में बोलने का अभ्यास करने के लिए आवश्यक समय शामिल था। प्रत्येक समूह अपनी गति से चला और निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना काम प्रस्तुत किया।

शिक्षण-विधियाँ

शिक्षण प्रक्रिया में एक से अधिक शिक्षण विधियों का प्रयोग किया जा सकता है।

प्रयोग की गई शिक्षण-विधियाँ

1

सहयोगात्मक अध्ययन-

अलग-अलग सुझाव/मत/कल्पना/अवधारण,तर्क, योजना/अनुमान के पश्चात बेहतर/योग्य परिणाम

शिक्षण-विधियाँ

2

पूछताछ आधारित अध्ययन

1- चर्चा, 2-चिन्तन, 3- प्रश्न,

4- खोज, 5- सृजन/निर्माण/रचना

शिक्षण-विधियाँ

3

मिश्रित प्रणाली शिक्षा

कक्षा शिक्षण + ई लर्निंग =मिश्रित प्रणाली शिक्षा

शिक्षण-विधियाँ

4

सक्रिय शिक्षण

1-सीखने को जीवन की वास्तविक स्थिति से जोड़ना

2- कक्षा से बाहर सीखना

3-रोल प्ले

4-समूह अध्ययन

5- सामूहिक गतिविधियाँ

आकर्षक सामग्री/गतिविधियों की विविधता –

1- स्टीफन मिराजी की कुल 6 कहानियों का लिंक कक्षा में अलग-अलग समूहों में वितरित करना।

2- कला समावेशन हेतु विभिन्न कलाओं पर चर्चा -कार्टून स्ट्रिप्स/डूडलिंग /दृश्य कला/अभिनय /कविता रचना /कठपुतली इत्यादि।

3- कहानी में पर्यायवाची शब्दों की अनिवार्यता।

4- चयनित गतिविधि के माध्यम से कहानी की प्रस्तुति।

संदर्भित परीक्षण (referencd testing)-

कक्षा मूल्यांकन तकनीक –

मूल्यांकन बिंदु –

- उचित शब्दावली का प्रयोग – 1 अंक
- उच्चारण 1 अंक
- धारा प्रवाहता- 1 अंक
- प्रस्तुतीकरण- 2 अंक
- कुल अंक -5

सीखने के परिणामों (Learning Outcome) का प्रदर्शन

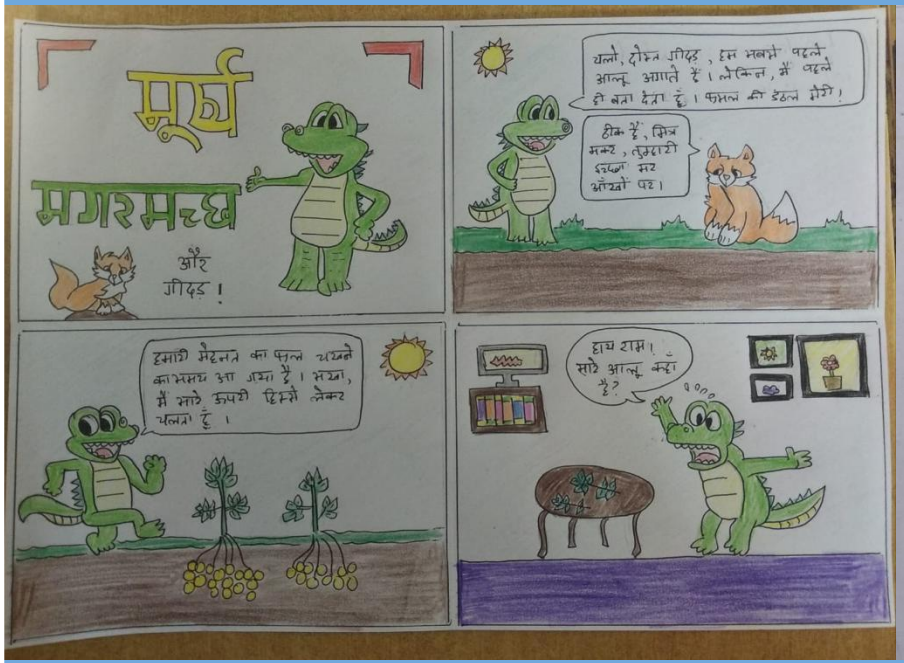

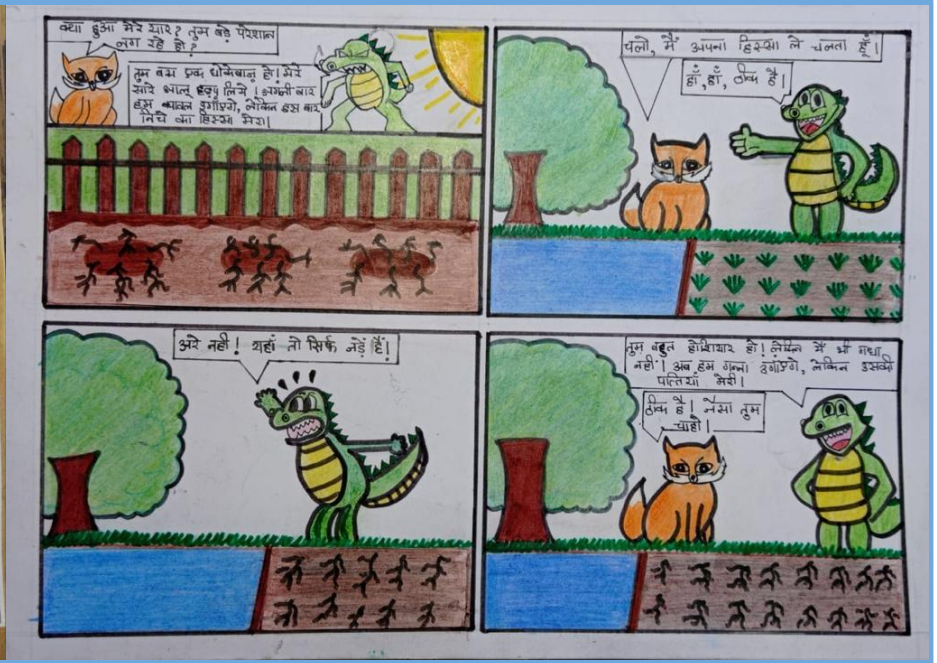

सीखने के परिणामों (Learning Outcome) का प्रद

कहानी हाउ द कैमल गॉट इट्स हंप विख्यात लेखक रूडयार्ड किपलिंग द्वारा लिखित एक कथा है कहानी उस समय की है जब जानवरों ने मैन के लिए काम करना शुरू कर दिया था हालाँकि, जब अन्य जानवरों ने काम किया, तो ऊंट रेगिस्तान में बस इधर-उधर भटकता रहेगा, कोई भी काम करने से मना कर देगा वह केवल "हम्फ" कहेगा जब जानवरों ने उसे उनके साथ काम करने के लिए कहा अंत में, एक जिन्न ने मामलों को अपने हाथों में लिया और उससे पूछा कि वह काम क्यों नहीं करेगा ऊंट ने फिर से "हम्फ" बोला जिन्न ने फिर कुछ जादू किया और जैसा कि ऊंट ने कहा, "हम्फ", उसकी सुंदर पीठ पर एक धब्बा उभरा जिन्न ने कहा कि अब कूबड़ के साथ ऊंट दिनों के लिए अथक रूप से काम कर सकता है और कहा कि कूबड़ उन दिनों की याद दिलाता है जब उसने काम करने से इनकार कर दिया था

सीखने के परिणामों (Learning Outcome) का प्रदर्शन

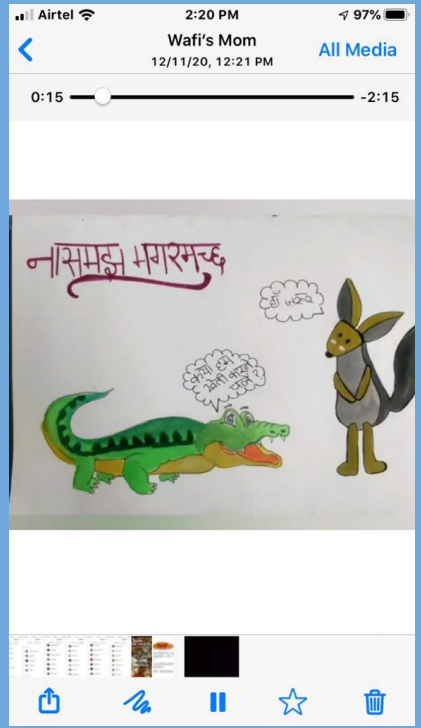

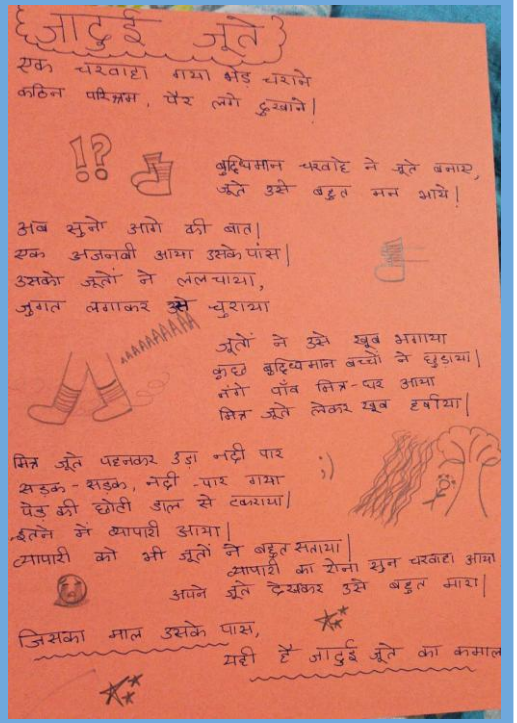

आदर्श पाठ-योजना -2

पाठ का नाम

चिकित्सा का चक्कर
लेखक:- बेढब बनारसी

शिक्षण प्रतिफल

- पाठ के पठन के पश्चात प्रत्येक छात्र
- व्यंगय विधा को समझ पाएंगे ।
- विभिन्न चिकित्सा पद्धतियों के विषय में जानेगे ।
- स्वस्थ जीवन शैली का महत्व समझेगे।
- सही फैसला लेने में सक्षम होगे।
- “खाने के लिए जीना अथवा जीने के लिए खाना।”

में अंतर कर सकेंगे।

शिक्षण पद्धति

पाठ आरंभ करने से पूर्व कहानी

से संबंधित लिंक दिया जाएगा।

https://youtu.be/vXYfGV2x3Oc

खाने के लिए जीना अथवा जीने के लिए खाना में अंतर करने के लिए एक कहानी दिखा कर

बच्चों को विचार व्यक्त करने के लिए कहा जाएगा।

https://youtu.be/0u3K-NY06vw

कक्षा को पाँच समूहों में बाँट कर प्रत्येक समूह को एक एक चिकित्सा पद्धति दी जाएगी (पर्ची

द्वारा) जिसमें प्रत्येक छात्र अपनी योग्यता एंव रुचि अनुसार (कला लेखन संगणक मौखिक)

कार्य करेगा। योग्यतानुसार अंक दिए जाएगे।

पाठ के लेखक को काल्पनिक नाम देते हुए पाठ आगे बढाया जाएगा।

अमृत धारा को औषधियो का राजा क्यो कहा गया है? बच्चे अपने अभिभावकों से चर्चा करेंगे ।

हकीम, वैध, डाकटर ,शास्त्री जी से मुलाकात को संवाद रचना के रुप में लिखवाया जाएगा।

साधारण सी बात को किस प्रकार व्यंग द्वारा असाधारण बनाया जा सकता है इस के लिए पाठ

में निहित विभिन्न वाक्यों को रेखांकित कराया जाएगा।

पाठ का प्रवाह चित्र बनवाया जाएगा।

पाठ पर आधारित संक्षिप्त प्रश्नोत्तर

पाठ पर आधारित प्रश्न कोष निर्माण कराया जाएगा।

मूल्यांकन बिंदु परियोजना

विषयवस्तु

रचनात्मकता

भाषा शैली

प्रस्तुतीकरण

समयावधि

(किया गया कार्य ५ अंक में ही आँका जाएगा।)

पाठ पर आधारित श्रुतलेख

जीवन का वास्तविक अनुप्रयोग

- दादी माँ के नुस्खे
- पाठ के पठन के पश्चात प्रत्येक छात्र अपने बुजुर्गों से कोई एक घरेलू नुस्खे के बारे मे जानेगे जो
- सदैव कारगर साबित होता है कक्षा मे चर्चा तथा लेखन के माध्यम से सब बच्चे अपने अनुभव
- सांझा करेंगे।

आदर्श पाठ-योजना -3

पाठ- दुनिया से परे दुनिया

शिक्षण अधिगम बिन्दु-

- प्रत्येक छात्र अद्भुत ब्रह्मांड की असीम विशालता के बारे में चार बिन्दु स्वयं बता पाएगा।
- ब्रह्मांड के रहस्यों को खोजने के क्षेत्र में हुई वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रगति के विषय से अवगत हो पाएगा।
- पृथ्वी से अलग दूसरे ग्रहों पर जीवन की संभावना को जान पाएगा।
- नवीन शब्दावली से पाँच वाक्य स्वयं बना पाएगा ।

कक्षा आरंभ करने से पूर्व-

- **पाठ से संबन्धित लिंक देखने एवं एक लेख पढ़ने के लिए दिया जाएगा।**

(छात्रों को निर्देश प्रदान दिए जाएंगे कि वह नवीन शब्दों को रेखांकित करे ।उनका अर्थ खोजने का प्रयास करे । लिंक देखने के बाद महत्वपूर्ण बातों को लिख ले।)

हुक गतिविधि

- https://youtu.be/M0oCGVqgat4
- उपरोक्त प्रस्तुति को दिखाकर छात्रों में एक जिज्ञासा उत्पन्न की जाएगी ताकि छात्र इस विषय पर और अधिक जानकारी स्वयं से एकत्रित करें।
- विषय आरंभ करने से पूर्व दी गई अध्ययन योजना से प्रश्न कुछ इस प्रकार से पूछे जाएंगे जिससे यह ज्ञात हो कि छात्रों ने दिए गए निर्देशों का पालन किया है । वह विषय वस्तु से अवगत है ।
- शिक्षण के सभी अधिगम बिन्दुओं पर भी चर्चा की जाएगी।

गतिवधियाँ

- छात्रो को समूहों में विभाजित कर उन्हे कार्य प्रदान किया जाएगा ।
- प्रथम समूह :"**मंगल ग्रह पर यदि उनका भोजनालय होता तो** विषय पर अभिनय प्रस्तुति करेगा ।
- दूसरा समूह : वाद विवाद गतिविधि
- तीसरा समूह : कॉमिक स्ट्रीप्स का निर्माण

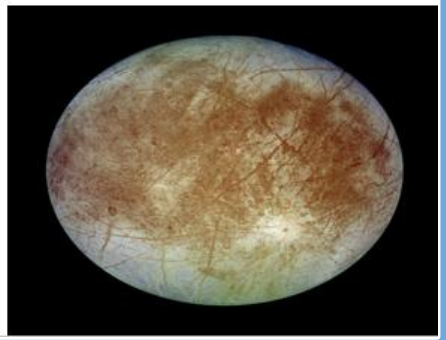

गतिविधि का **मूल्यांकन** निम्न आधार पर किया जाएगा।

छात्र ग्राहकों को अपने भोजनालय में बुलाने के लिए किस प्रकार के विज्ञापन ,भाषा, हाव भाव ,रंग मंच की सामग्री का प्रयोग करते है । इन बातों से मूल्यांकन किया जाएगा ।

छात्रों की नवीन शब्दावली ,उचित वाक्य रचना ,विषय वस्तु अनुरूप एवं तथ्यों के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा ।

गतिविधि से जुड़ा अभ्यास पत्र छात्रो से करवाया जाएगा ।

स्थिति पर आधारित प्रश्न

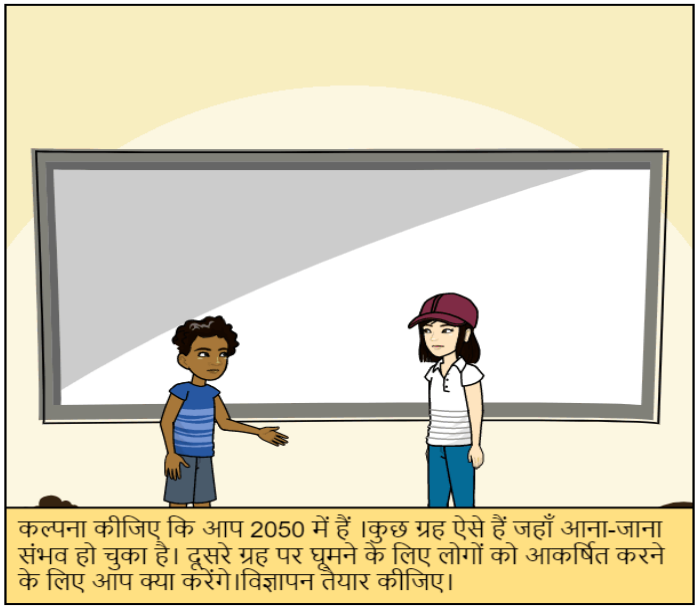

कल्पना कीजिए कि आप 2050 में हैं ।कुछ ग्रह ऐसे हैं जहाँ आना-जाना संभव हो चुका है। दूसरे ग्रह पर घूमने के लिए लोगों को आकर्षित करने के लिए आप क्या करेंगे।विज्ञापन तैयार कीजिए।

स्थिति पर आधारित प्रश्न

कक्षा प्रारंभ करने से पूर्व इन तीन बिन्दुओं को ध्यान में रखने की आवश्यकता है-

1. उन्हें क्या सीखने की आवश्यकता है ?
2. मूल्यांकन प्रक्रिया क्या होगी ?
3. उनका मूल्यांकन कैसे किया जाएगा ?

योग्यता आधारित शिक्षा के अंतर्गत निम्नलिखित 5 गतिविधियाँ होनी चाहिए

1. पुनरावलोकन (Review)
2. प्रस्तुति (Present)
3. अभ्यास (Practice)
4. लागूकरण (Apply)
5. मूल्यांकन (Evaluate)

महत्वपूर्ण तथ्य

महत्वपूर्ण तथ्य

1. सभी दलों/छात्रो की प्रस्तुति के पश्चात एक-दूसरे दल से प्रश्नोत्तर करना।
2. समकक्ष मूल्यांकन (Peer assessment)
3. Learning Outcome छात्रों को स्पष्ट होना चाहिए।
4. आवश्यकतानुसार यह छात्रों द्वारा भी निर्धारित किया जा सकता है ।

धन्यवाद

सोनिया भाटिया
विभागाध्यक्षा
टैगोर इंटरनेशनल स्कूल
वसंत विहार, नई दिल्ली

किताबशाला तथा वाक् पीठ का हार्दिक आभार

वाक् पीठ